2021

(8) यौन शोषण (Sexual Exploitation) :-

यह अत्यंत दुखद परंतु सत्य है कि इन बस्तियों की बालक और बालिकाओं का यौन शोषण मालिकों, ठेकेदारों, अपनी ही बस्ती के अन्य लोगों आदि द्वारा किया जाता है। अभावों में ग्रसित होने के कारण बच्चे काम पर जाते हैं। ऐसे में उनका सामना यौन शोषकों के साथ होता है। बस्तियों में बालकों और अभिभावकों के मध्य प्रायः असामान्य सम्बन्ध देखने को मिलता है। वे माँ के उपेक्षा के शिकार होते हैं, अक्सर इनके परिवारों में सदस्यों की संख्या अधिक होती है, * इनमें नैतिक शिक्षा का अभाव होता है, शोषण को समझने और प्रतिरोध करने की क्षमता नहीं होती है। ऐसी भी बातें प्रकाश में आती हैं कि परिवार व बस्ती के लोग भी बहला-फुसलाकर बच्चियों को अपना शिकार बनाते हैं।

(9) नशा (Drug) :-

नगरीय मलिन बस्तियों में ऐसे बहुत-से कारक होते हैं जिनके कारण छोटे-छोटे बच्चे नशे का सेवन करने लगते हैं। बालकों पर नियंत्रण और देखरेख की कमी होती है। वे उपेक्षा के शिकार होते हैं या उनका स्वभाव कुछ ऐसा होता है या अज्ञानता के शिकार होते हैं। आर्थिक तंगी के कारण छोटे-छोटे बच्चे काम करने लगते हैं, जहाँ उनका सम्पर्क अपनी

Scanned with CamScanner

2021

आयु या बड़ी आयु के उन बच्चों से होता है जो नशा करते हैं, उनके साथ रहकर ये बच्चे भी नशाखोरी सीख लेते हैं।

10. गर्भ-धारण (Early Pregnency) - प्रारंभिक किशोरावस्था में गर्भधारण करने वाली लड़कियों की संख्या भी काफी होती है। बच्चे अपने माता-पिता का यौन-व्यवहार नियमित रूप से देखते हैं और अनुकरण करते हैं। माता-पिता इन सब बातों पर ध्यान नहीं देते, वे शराब या अन्य नशे में धुत होने के कारण बच्चों का ख्याल नहीं रखते, ऐसे ही और भी कारण हो सकते हैं। माता-पिता के द्वारा ख्याल न रखने के कारण ही बच्चे गलत संगत में पड़ जाते हैं एवं कम उम्र में ही माँ बन जाते हैं।

Scanned with CamScanner

* लड़की के रूप में जीवन (Growing up as a girl)

भूमिका !-

भारतीय समाज में पारम्परिक सांस्कृतिक मूल्यों की व्यापकता ने लड़कियों के विकास, स्थिति और परवरिश पर अपनी काली छाया डाल रखी है। भारतीय समाज में लड़कियों की परवरिश, पालन-पोषण एवं विकास पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। आज के आधुनिक युग में जहाँ लड़कियाँ, लड़को के साथ कदम से कदम मिलाते हुए देश के विकास में अहम योगदान निभा रही है वहीं कुछ समाज में लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम आंका जाता है कई जगह तो लड़की पैदा होने पर मातम जैसा महौल बन जाता है वहाँ पर माता-पिता के चेहरे पर खुशी नहीं होती वह अपने आप को कोसते हुए नजर आते हैं। एवं लड़की को एक अभिशाप की दृष्टि से देखते हैं। लड़कियों को परिवार में वह मान-सम्मान प्यार नहीं मिल पाता जिसकी वह हकदार थी। ऐसे में एक लड़की के रूप में जीवन जीना बहुत ही कठिन हो जाता है उसे जीवन भर ताने ही सुनने को मिलते है। शादी के पहले माता-पिता एवं परिवार वालों से तथा शादी के बाद पति के घर वालों से

खाना बनाने से लेकर माँ बनने तक का सफर एवं अगर लड़की पैदा हो गई तो जीवन भर माँ के रूप में ताने सुनना इस प्रकार से एक लड़की की जिन्दगी बहुत ही कठिन एवं जोखिम भरी होती है।

बाल्यावस्था में लड़कियों विकास :—

भारतीय समाज में लड़कियों की परवरिश, पालन-पोषण और विकास को निम्नवत् व्याख्यायित किया जा सकता है। इससे लड़कियों की बाल्यावस्था को समझा जा सकता है।

1. जनगणना 2011 (Census 2011)

(i) 0 से 6 वर्ष की आयु के बालकों की संख्या 2001 की तुलना में 5.05 मिलियन की कमी आयी है जिसमें लड़कीयों की संख्या में 2.66 मिलयन की कमी तथा लड़कों की की संख्या में 2.06 मिलियन की कमी है।

(ii) बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष आयु-वर्ग) के सन्दर्भ में लड़कियों की स्थिति भयावह दिखाई देती है।

प्रति हजार बालकों में बालिकाओं की संख्या

जनगणना	बालिकाओं की संख्या
1991	945
2001	927
2011	914

Scanned with CamScanner

2021

(iii) भारत के सभी राज्यों में कन्या नवजात शिशु मृत्यु दर लड़कों की अपेक्षा अधिक है।

(iv) 12 से 23 माह के लगभग 62% लड़कों को सभी टीके लगवाये गये हैं, जबकि लड़कियों को इस अनुपात में कम टीके ही लगे हैं।

(v) लड़कों की अपेक्षा अधिक लड़कियाँ कुपोषित पायी गयी।

2. शैक्षिक स्थिति (Educational Status)

:— वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण, (2010-11) में भारत के प्रमुख राज्यों में बच्चों के स्कूल स्तर को प्रस्तुत किया, जिससे स्पष्ट है कि प्रत्येक राज्य में स्कूल जाने वाले लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की संख्या कम है।

स्कूल जाने वाले बच्चों का प्रतिशत (6-17 वर्ष)

राज्य	लड़के	लड़कियाँ
बिहार	73.39	53.33
उत्तर प्रदेश	79.24	59.26
झारखण्ड	78.45	56.21
उड़ीसा	82.40	64.36
मध्यप्रदेश	80.53	60.02
उत्तराखण्ड	88.33	70.70
राजस्थान	80.51	52.66
छत्तीसगढ़	81.45	60.59
पंजाब	81.48	71.34
हरियाणा	85.38	66.77

Scanned with CamScanner